मॉड्यूल 4: जमीन पर बनने वाले चित्र

5. रंगोली
6. अल्पना
7. कोलम (केरल में कलम)
8. मंडना

5

रंगोली

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने पिथौरा कला के बारे में सीखा। इस पाठ में आप रंगोली लोक कला के बारे में जानेंगे। रंगोली महाराष्ट्र की एक प्राचीन कला है जो सदियों से प्रसिद्ध है। रंगोली शब्द का अर्थ रंगों की पंक्ति है। रंगोली बनाने की कला आम तौर पर भारतीय परंपरा का पालन करने वाली अनूठी हस्तकला है। महिलाओं और लड़कियों द्वारा अपनी उंगलियों का उपयोग करके फर्श पर रंगोली बनाई जाती है। रंगोली डिजाइन बनाने का हर समुदाय का अपना तरीका होता है। कुछ उज्ज्वल और रंगीन हैं, जबकि कुछ सरल और सुरुचिपूर्ण हैं। रंगोली सभी पारंपरिक अनुष्ठानों और समारोहों के लिए बनाई जाती है क्योंकि यह भारतीय परिवारों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसका उपयोग धार्मिक और सांस्कृतिक विश्वास के प्रतीक के रूप में किया जाता है। इसे आमतौर पर आत्मा की शुद्धि और समृद्धि की आध्यात्मिक प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में जाना जाता है। पवित्र त्योहार और पारिवारिक अवसर रंगोली बनाने की कला को प्रेरित करते हैं। महिलाएं घर के हर कमरे और आंगन के प्रवेश द्वार पर रंगोली बना सकती हैं। यह आत्मा का एक मूल प्रतीक है जो कभी खत्म नहीं होता। रंगोली आमतौर पर स्वस्तिक, कमल के फूल, लक्ष्मी के कदम (पेगाली) आदि जैसे चिह्नों के साथ बनाई जाती है। उन्हें समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाराष्ट्र में कई परिवार रोज सुबह रंगोली बनाते हैं। रंगोली उनके दैनिक जीवन में खुशी का प्रतीक है।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने एवं अभ्यास करने के बाद, आप:

- रंगोली को एक कला रूप के रूप में समझा सकेंगे;
- रंगोली की पृष्ठभूमि और महत्व का वर्णन कर सकेंगे;
- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जमीन पर बनने वाले चित्र (फ्लोर पेंटिंग) के विभिन्न नामों की पहचान कर सकेंगे;
- रंगोली में प्रयुक्त मीडिया और सामग्री को वर्गीकृत कर सकेंगे;
- धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों से जुड़े विभिन्न रूपों की पहचान सकेंगे।

5.1 सामान्य विवरण

रंगोली सिर्फ सजावट का माध्यम नहीं है, बल्कि यह नकारात्मक ऊर्जा को कम करती है और उस जगह पर सकारात्मकता जोड़ती है जहां बनाई जाती है। रंगोली बनाना प्राचीन प्रतीकों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का एक तरीका है, इस प्रकार ये कला और परंपरा दोनों को जीवित रखता है। रंगोली कला महाराष्ट्र में फर्श पर एक प्रकार की सजावट है। भारत के अलग-अलग हिस्सों/प्रांतों में जमीन की सजावट और पेंटिंग के अलग-अलग नाम हैं। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में इसे चौक पूर्णा कहते हैं। राजस्थान में मंदाना, बिहार में अरिपन, बंगाल में अल्पना, कर्नाटक में रंगावल्ली, तमिलनाडु में कोल्लम, आंध्र प्रदेश में मुग्गू, केरल में अलीखथप और कोलम तथा गुजरात में सत्थियाओ।

5.2 पारंपरिक रूप और प्रतीक

शिक्षार्थी, आपको पहले प्रमुख रूपों और प्रतीकों को सीखना चाहिए, जिनका उपयोग रंगोली बनाने में किया जाता है। प्रमुख प्रतीक कमल का फूल, पत्ते, आम, फूलदान, मछली और विभिन्न प्रकार के पक्षी, तोता, हंस, मोर, मानव और आकृतियाँ हैं। मुक्तहस्त रंगोली की छवि सीधे जमीन पर बनाई जाती है। रंगोली बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री हर जगह आसानी से मिल जाती है। इसलिए यह कला अमीर या गरीब से नहीं जुड़ी है बल्कि सभी घरों में प्रचलित है। आमतौर पर रंगोली बनाने के लिए मुख्य सामग्री चावल का घोल, पत्तियों के रंग से बना एक सूखा पाउडर, लकड़ी का कोयला, जली हुई मिट्टी, लकड़ी का चूरा आदि होता है, इनका उपयोग मुख्य रूप से दानेदार चावल या सूखे आटे के साथ सूखा या गीला किया जाता है। इसमें सिंदूर, हल्दी, और अन्य प्राकृतिक रंग भी मिला सकते हैं। रासायनिक रंग एक आधुनिक बदलाव हैं। अन्य सामग्रियों में रेत और यहां तक कि फूल और पंखुड़ियां भी शामिल हैं, जैसा कि फ्लावर रंगोली के मामले में होता है।

1. **मोर** : यह सबसे रंगीन पक्षी है जो कलाकारों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। यह सुंदरता और लय का प्रतीक है।
2. **ज्यामितीय आकार** : सभी डिजाइन और रूप ज्यामिति पर आधारित होते हैं। त्रिभुज वर्ग और वृत्त भी आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करते हैं।
3. **कमल** : यह न केवल एक रूप का सबसे संतुलित उदाहरण है, बल्कि हिंदू प्रतिमा में शुद्धता और पूर्णता का भी प्रतीक है।
4. **बर्तन** : बर्तनों का इस्तेमाल समशद्धि के प्रतीक के रूप में किया जाता है। लक्ष्मी देवी अपनी प्रतीकात्मक प्रस्तुतियों में सोने के सिक्कों से भरा एक बर्तन रखती हैं।
5. **तोता** : यह पक्षी प्रेम का प्रतीक है, जिसका प्रयोग अक्सर भारतीय मूर्तिकला में किया जाता है।
6. **दीपक** : भारतीय कला में इस आकृति का विपुल उपयोग है। दीपक ज्ञान, मोक्ष और प्रेम का प्रतीक प्रस्तुत करता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

7. **पत्तियां :** पत्तियां इतनी विविध रूप से उपयोग की जाती हैं कि कलाकार उनमें से कई डिजाइन बना सकते हैं। पत्तियां यौवन, दीर्घायु और ताजगी, वृद्धि और उर्वरता का भी प्रतीक हैं।

8. **आम :** यह फल दुनिया के सबसे स्वादिष्ट फलों में से एक है। यह सुंदर आकार और हरे, पीले और लाल रंग के विभिन्न रंगों में आता है। आम की आकृति भारतीय कलाकारों की पसंदीदा डिजाइन है और प्रेम और धन का प्रतीक है।

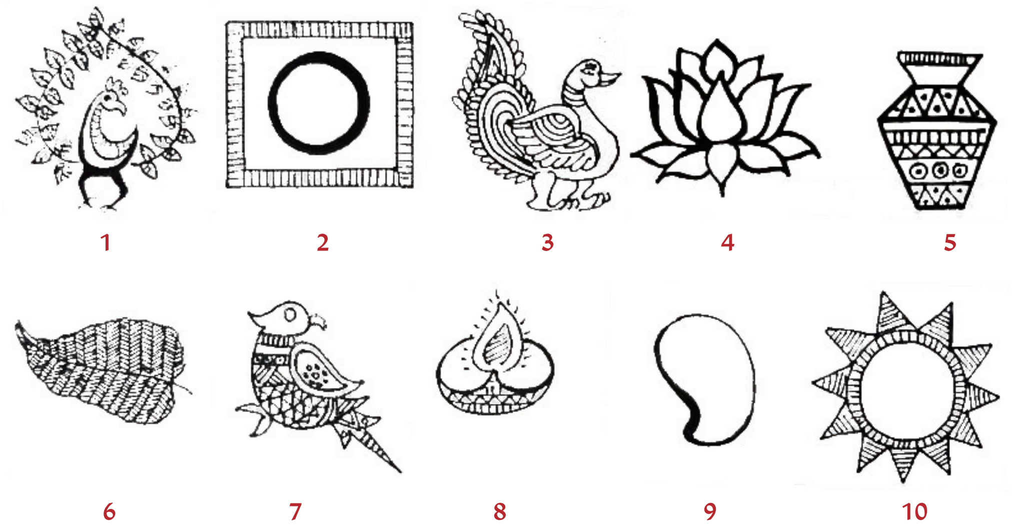

चित्र 5.1: पारंपरिक प्रतीक

9. **हंस :** हंस ज्ञान की देवी सरस्वती का वाहन है। हंस की सुंदर लयबद्ध आकृति का उपयोग अक्सर भारतीय कलाकारों द्वारा चित्रकला में किया जाता है। इसी कारण से रंगोली में भी आकृति का प्रयोग किया जाता है।

10. **सूर्य :** रंगोली में सूर्य की वृत्ताकार आकृति का प्रयोग किया जाता है। इसे वृत्त के चारों ओर सीधी रेखाओं में किरणों के साथ एक वृत्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सूर्य हमारी पृथ्वी का जीवन स्रोत है और अक्सर इसे एक देवता के रूप में पूजा जाता है।

शिक्षार्थी, आप रंगोली डिजाइन तैयार करने के लिए उपयोग किए जाने वाले रूपांकनों और मूल डिजाइनों को कॉपी करने का प्रयास कर सकते हैं।

5.3 रंगोली के लिए आवश्यक सामग्री

- एक ड्राइंग बोर्ड या हैंड बोर्ड
- ड्राइंग पेपर (रंगोली और विभिन्न रूपांकनों को डिजाइन करने के लिए)
- ड्राइंग पिन
- पेंसिल
- इरेजर

टिप्पणियाँ

- रंग (पृथ्वी का रंग जैसे जले हुए सिएना (गेरू) पीला गेरू (पीली माटी) सफेद आदि।
- रंगीन कागज/हस्तनिर्मित कागज
- रंग मिश्रण का कटोरा
- रंग फूल, पेस्टल और पत्ते

5.4 पारम्परिक विधि

आइए, अब हम रंगोली कला की पारंपरिक विधियों के बारे में जानें। रंगोली दो तरह से बनाई जाती है सूखी और गीली। रंगोली डिजाइन बनाने के लिए सबसे पहले फर्श को गीले कपड़े या गाय के गोबर या मिट्टी से साफ किया जाता है। इसे लीप या लीपना कहते हैं। फिर फर्श पर डिजाइन के अनुसार कुछ डॉट्स खींचे जाते हैं। डॉट्स लगाने के बाद उन्हें डिजाइन के अनुसार जोड़ दें। बिन्दुओं को जोड़कर मनचाहा रूप बनाने के बाद, जगह को अलग-अलग रंगों या पेस्टल से भरा जाता है, जिसके परिणामस्वरूप एक सुंदर रंगोली बनती है।

(i) डिजाइन के विशिष्ट भाग को सूखे गेहूं के पीले पाउडर (पीले रंग के साथ गेहूं का पाउडर जैसा चित्र 5.3 में दिखाया गया है) से भरें।

(ii) पीले रंग को सुशोभित करने के लिए चिकनी टोनल प्रभाव के लिए नारंगी और लाल रंग जोड़ें जैसा कि चित्र 5.4 में दिखाया गया है।

(iii) डिजाइन के सभी हिस्सों को अलग-अलग रंगों और उपरंगों से भरने के बाद जैसा कि चित्र 5.5 में दिखाया गया है। एक अद्भुत रंगोली मिलेगी।

(iv) इस डिजाइन को पूरा करने और अंतिम रूप देने के लिए हम गेहूं या चावल के पाउडर से अंतिम रूपरेखा तैयार करते हैं।

(v) डिजाइन के कुछ हिस्से को महत्व देने के लिए रंगोली के उस विशिष्ट हिस्से में चमक जोड़ें, जो दूर से एक चमकदार प्रभाव देता है जैसा कि चित्र 5.6 में दिखाया गया है।

(vi) अंत में, हमारी सुंदर और शुभ रंगोली पूरी हुई।

रंगोली एक या एक साथ काम करने वाली महिलाओं के समूह द्वारा बनाई जा सकती है। यह सुंदर शुभ रंगोली बनाते हुए प्रेम करुणा और अनुकूलता पैदा करके परिवार समुदाय को एक इकाई में बांधने में मदद करता है।

प्रायोगिक अभ्यास 1

तो प्रिय शिक्षार्थी, आपने रंगोली पेंटिंग के पारंपरिक तरीके सीखे हैं। अब हम रंगोली सीमा के एक डिजाइन का वर्णन करेंगे।

चरण 1: दो समानांतर रेखाएँ खींचिए। बीच में एक घेरा लगाएं। इसके चारों ओर पाँच पंखुड़ियों वाली आकृतियाँ बनाएँ। सेंटरपीस के दोनों किनारों पर दो सर्पिल रूपांकनों को बनाएं।

चित्र 5.2

चरण 2: इन आकृतियों को रंग दें।

चित्र 5.3

चरण 3: प्रत्येक आकृति को स्पष्ट करने के लिए काले रंग से रूपरेखा बनाएं।

चित्र 5.4

प्रायोगिक अभ्यास 2

यह रंगोली डिजाइन का एक और अभ्यास है। इसका विषय है ज्यामितीय आकार (जियोमेट्रिकल शेप) वाली रंगोली।

चरण 1: बीच में एक वृत्त के साथ दो रेखाओं वाला एक वर्ग बनाएं। हीरे के आकार में रखें, और दो क्षैतिज और दो लंबवत रेखाएं प्रतिच्छेद करें। चार त्रिकोणीय आकार देने के लिए चारों कोनों में लाइनों को जोड़ दे। वर्ग की प्रत्येक भुजा पर चार रेखाएँ खींचिए।

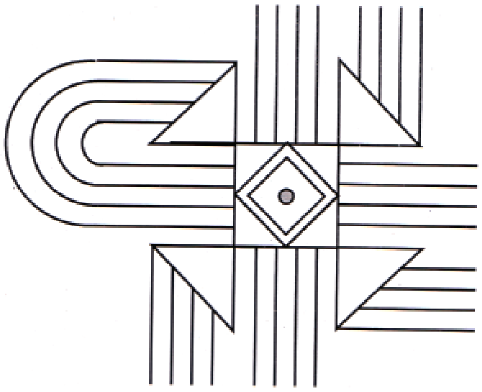

चित्र 5.5

चरण 2: प्रत्येक रेखा पर U आकार बनाएं और इसे त्रिभुज से जोड़ दें। सभी त्रिभुजों के लिए समान दोहराएं।

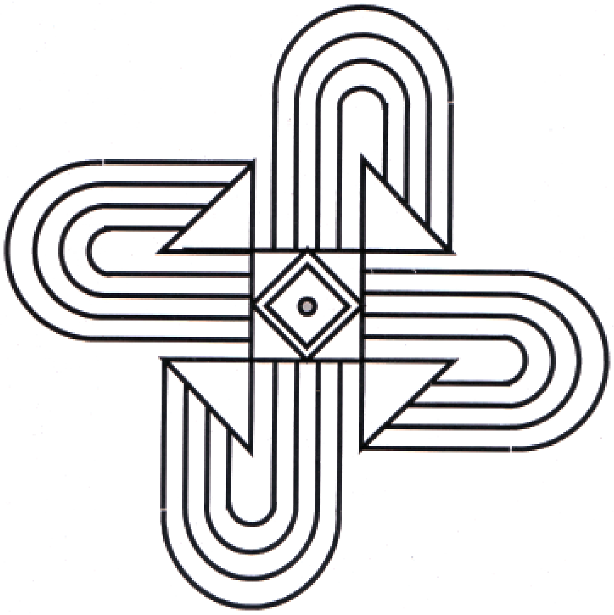

चित्र 5.6

चरण 3: चारों कोनों पर कमल की आकृति बनाएं, और त्रिभुजों के प्रत्येक कोने पर छोटे-छोटे वृत्त बनाएं।

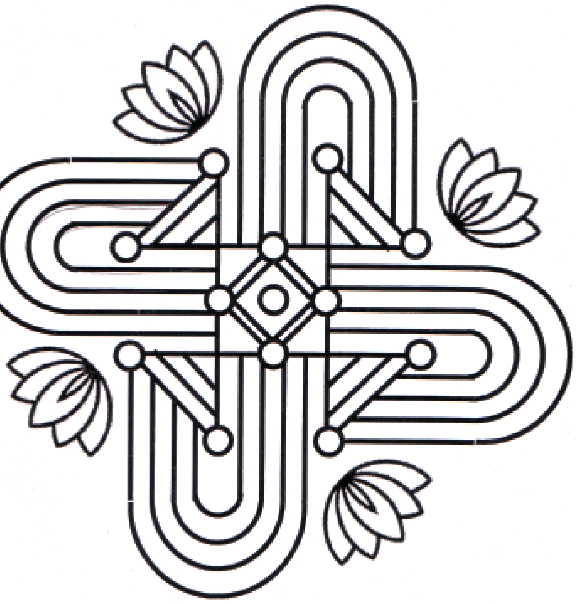

चित्र 5.7

चरण 4: रंगों का प्रयोग करें, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है और डिजाइन को पूरा करें।

चित्र 5.8

प्रायोगिक अभ्यास 3

अब हम एक और रंगोली पेंटिंग बनाते हैं। इसकी विषय बिंदुओं से बनी रंगोली है।

चरण 1: काल्पनिक वर्ग बॉक्स बनाने के लिए 36 बिंदुओं वाला एक काल्पनिक वर्ग बनाएं। फ्रीहैंड का उपयोग करना बेहतर है, लेकिन यदि आवश्यक हो तो आप स्केल की मदद ले सकते हैं।

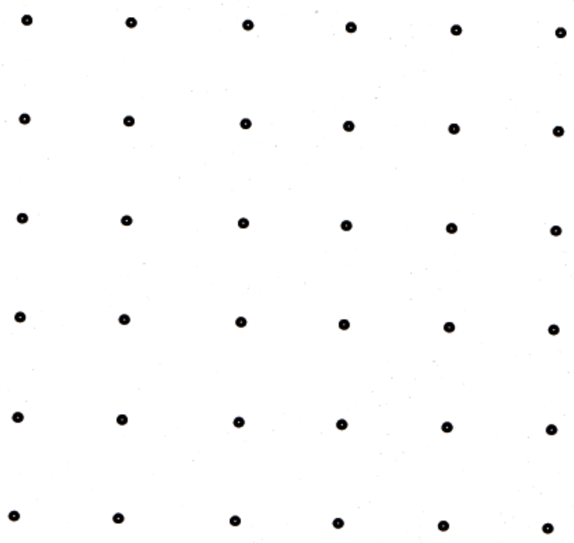

चित्र 5.9

चरण 2: कोने में तीन विकर्ण बिंदुओं को एक रेखा से मिलाएँ। मध्य बिंदु को अन्य तीन बिंदुओं के साथ लाइनों से कनेक्ट करें। दूसरे कोनों में भी यही दोहराएं। चार बिंदुओं के बीच में एक वर्ग बनाएं और वर्ग के चारों ओर चार दिल के आकार की पंखुड़ी की आकृति बनाएं। वर्ग के बीच में एक गोला लगाएं।

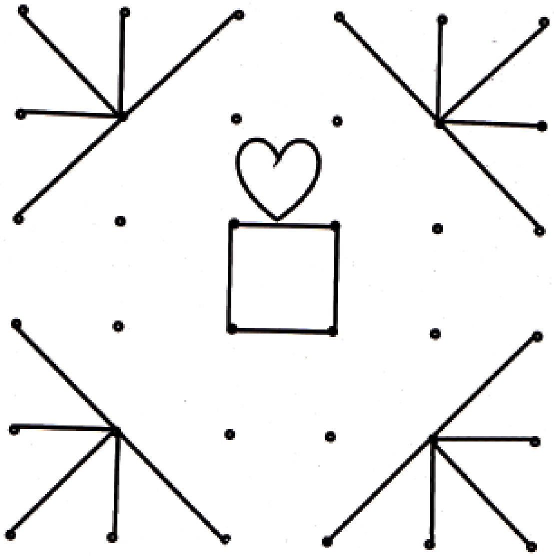

चित्र 5.10

चरण 3: एक डिजाइन बनाने के लिए प्रत्येक कोने में सभी पाँच बिंदुओं को जोड़ने के लिए एक अर्ध-वृत्त बनाएं। चार पंखुड़ियों वाले रूपांकनों में मध्य बिंदु से चार पत्ती के रूपांकनों को बनाएं। दूसरे कोनों में भी यही दोहराएं।

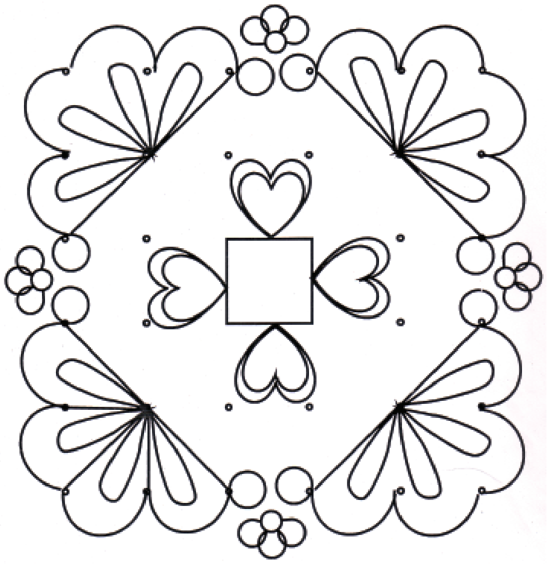

चित्र 5.11

चरण 4: रंगोली को सजाने के लिए अपनी पसंद के रंगों का प्रयोग करें। डिजाइन की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए आप आउटलाइन और रंगीन डॉट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चित्र 5.12

डिजाइन के सभी हिस्सों को अलग-अलग रंगों और रंगों से भरने के बाद, हम डिजाइन को पूरा करने और अंतिम रूप देने के लिए अंतिम रूपरेखा तैयार करेंगे। अंत में, एक सुंदर और शुभ रंगोली पूरी होती है (रंगीन स्केच पेन से बचने की कोशिश करें)।

आपने क्या सीखा

रंगोली

लोक कला

जमीन/धरातल चित्र

अभिप्रायों/मोटिफ्स का प्रयोग

मोर | कमल | बर्तन | घड़ा | दीप | पत्तियां | तोता | फल | हंस | सूर्य | ज्यामितीय आकार

रंगोली के प्रकार

- किनारे वाली रंगोली
- ज्यामितीय आकार वाली रंगोली
- बिंदुओं से बनी रंगोली

पाठांत प्रश्न

1. विभिन्न राज्यों में रंगोली के विभिन्न नामों की पहचान करें और उनके रूपांकनों को बनाएं।
2. लक्ष्मी पूजा के अवसर पर प्रयुक्त आकृति को रेखांकित कर रंग भरे।
3. दरवाजे पर एक सजावटी रंगोली बनाएं और रंग भरें।
4. लाइनों की मदद से एक सजावटी रंगोली बनाएं और रंग भरें।
5. पारंपरिक शैली में फर्श पर एक सजावटी रंगोली बनाएं और रंग भरें और उसकी तस्वीर जमा करें।
6. अपने आस-पास के निवासियों को उनके घरों के बाहर रंगोली बनाने या पेंट करने में सहायता करें।

शब्दावली

आकृतियाँ : एक पवित्र व्यक्ति की चित्र

प्रतीकात्मक : प्रतीक के माध्यम से किसी चीज का प्रतिनिधित्व करना

धार्मिक : किसी धर्म से संबंधित या विश्वास करने वाला

अनुष्ठान : एक समारोह जिसमें एक निर्धारित क्रम में किए गए कार्यों की एक श्रृंखला शामिल होती है

संस्कार : धार्मिक समारोह, अन्य पवित्र प्रक्रिया

प्रतीक : किसी चीज के प्रतिनिधित्व के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाला चिह्न या चरित्र

प्रचलित : आम, व्यापक

सामग्री : घटक, भाग या तत्व

दानेदार बनाना : दानों के रूप में

देवता : भगवान और देवी

विस्तृत करें : अधिक विवरण में कुछ विकसित करें

पेस्टल : रंगोली बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नरम रंग का चाक या क्रेयॉन

पंखुड़ी : प्रत्येक खंड जो फूल के बाहरी भाग का निर्माण करता है